दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

# असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

■ वर्ष: 21, अंक: 276 ■ दमण, बुधवार 22, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट


**केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल ने की शुभेच्छा मुलाकात**

# संघ प्रदेश थ्रीडी की हवाई उडान को मिलेगी नई रफ्तार, हुआ मंथन

■ नागरिक उड्डयन क्षेत्र को मजबूत करने, हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार करने, आधुनिक उड्डयन बुनियादी ढांचे के विकास और जन-सुविधाओं में और सुधार लाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई ■ पर्यटन और व्यापार को मिलेगा नया प्रोत्साहन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 21 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश में हवाई संपर्क को मजबूत करने, आधुनिक विमानन अवसंरचना के विकास और यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। इसके साथ ही संघ प्रदेश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र के समग्र विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई सेवाओं के विस्तार, एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक विमानन सुविधाएं विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर यह भी विचार-विमर्श किया गया कि बेहतर हवाई संपर्क के माध्यम से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और निवेश को नई दिशा दी जा सकती है। साथ ही स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए यात्रा को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने पर भी बल दिया गया। बैठक के दौरान यह विश्वास व्यक्त किया गया कि केंद्र और प्रशासन के समन्वित प्रयासों से केंद्रशासित प्रदेश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। बेहतर एयर कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास, पर्यटन और व्यापार को नई गति देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में दिल्ली-दमण-दिल्ली हवाई सेवा का दमण के नमो एयरपोर्ट से शुभारंभ हुआ है। जल्द ही दमण से अहमदाबाद हवाई सेवा का भी शुभारंभ होगा। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा नई दिल्ली में आज केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से की गई मुलाकात और हवाई सेवा के विस्तार पर चर्चा से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि जल्द ही कई अन्य शहरों के लिए दमण नमो एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरु हो सकती है।

## दक्षिण गुजरात और दमण एवं दानह में भारी से अति भारी बारिश, राहत एवं बचाव एजेंसियां पूरी तरह सतर्क

■ मौसम विभाग के अनुसार 22 जुलाई को दक्षिण गुजरात के नवसारी, वलसाड तथा केंद्र शासित प्रदेश दमण एवं दादरा नगर हवेली के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है

गांधीनगर (ईएमएस)। दक्षिण गुजरात और संघ प्रदेश दमण और दादरा नगर हवेली में भारी बारिश होने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य में आगामी दिनों में मानसून के दौरान भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए सोमवार को गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) में राहत आयुक्त गौरांग मकवाणा की अध्यक्षता में वेदर वॉच ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभावित वर्षा की स्थिति के मद्देनजर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आपदा प्रबंधन के लिए प्रशासन की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान राहत आयुक्त गौरांग मकवाणा ने सभी संबंधित विभागों से वर्षा की संभावित स्थिति और उनकी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी सूचना तत्काल राज्य नियंत्रण कक्ष (स्टेट कंट्रोल रूम) को दी जाए, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो।

उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए सैटेलाइट चित्रों और नवीनतम मौसम पूर्वानुमानों के आधार पर दक्षिण गुजरात सहित राज्य के उन सभी क्षेत्रों पर, जहां भारी वर्षा की आशंका है, स्टेट कंट्रोल रूम द्वारा चौबीसों घंटे लगातार निगरानी रखी जा रही है। राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को आवश्यक उपकरणों एवं संसाधनों के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से ही तैनात कर दिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया जा सके। मौसम विभाग के अनुसार गुजरात में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन तथा अरब सागर में विकसित हुई मौसम प्रणाली के प्रभाव से आगामी सात दिनों तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम तथा कई स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। विशेष रूप से दक्षिण गुजरात में व्यापक वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार 22 जुलाई को दक्षिण गुजरात के नवसारी, वलसाड तथा केंद्र शासित प्रदेश दमण एवं दादरा नगर हवेली के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। इसी प्रकार 22 और 23 जुलाई को उत्तर एवं मध्य गुजरात के अरावली, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, नर्मदा, सूरत, डांग और तापी जिलों के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। वहीं 24 जुलाई को साबरकांठा, अरावली, बनासकांठा, मेहसाणा, गांधीनगर, आनंद, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, महिसागर तथा दक्षिण गुजरात के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। राहत आयुक्त गौरांग मकवाणा ने बताया कि राज्य के बुनियादी ढांचे एवं जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर आवश्यक योजना तैयार कर ली गई है। जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग द्वारा राज्य के प्रमुख बांधों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति में समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भारी वर्षा के कारण किसी क्षेत्र में सड़कें बंद होती हैं, तो आवागमन बनाए रखने के लिए सड़क एवं भवन विभाग को वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त ऊर्जा विभाग को भी निर्देशित किया गया है कि यदि वर्षा के कारण कहीं विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो उसे न्यूनतम समय में पुनः बहाल करने के लिए आपातकालीन टीमें पूरी तरह स्टैंडबाय पर रहें। बैठक में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड), भारतीय नौसेना, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग तथा राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और मानसून के दौरान संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की।

## सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में संघ प्रदेश थ्रीडी के 2 महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया

■ सांसद उमेश पटेल ने सहकारिता मंत्रालय से स्थानीय सहकारी संस्थाओं में वर्षों से लंबित लोकतांत्रिक चुनावों एवं प्रशासकों के माध्यम से संचालन का मुद्दा उठाया ■ सांसद ने पंचायती राज मंत्रालय से ग्राम पंचायतों, नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं में वर्षों से कार्यरत एमटीएस, स्वच्छता कर्मियों, संविदा, आउटसोर्स एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या, उनकी सेवा स्थिति तथा 5 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा संसद में उठाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 21 जुलाई। दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने आज लोकसभा में दो महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को अलग-अलग मंत्रालयों के समक्ष अतारांकित प्रश्न (Unstarred Question) के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाया। सांसद उमेश पटेल द्वारा पहले प्रश्न के माध्यम से सहकारिता मंत्रालय का ध्यान दमण एवं दीव की सहकारी संस्थाओं में लंबे समय से लोकतांत्रिक चुनाव न होने तथा प्रशासकों के माध्यम से संस्थाओं के संचालन की ओर आकर्षित किया गया। सरकार ने अपने उत्तर में स्वीकार किया कि दमण एवं दीव स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड तथा महाकालेश्वर फिशरीज को-ऑपरेटिव सोसायटी एवं श्री महासागर फिशरीज को-ऑपरेटिव सोसायटी में प्रशासक नियुक्त हैं तथा चुनाव अब तक नहीं कराए गए हैं। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि सहकारी संस्थाओं की आत्मा लोकतांत्रिक चुनाव हैं। यदि वर्षों तक प्रशासक ही संस्थाओं का संचालन करते रहें तो सदस्यों के अधिकार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों प्रभावित होती हैं। उन्होंने समयबद्ध चुनाव कराकर निर्वाचित प्रबंधन समितियों को कार्यभार सौंपने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी दिन सांसद उमेश पटेल ने पंचायती राज मंत्रालय के समक्ष दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए दादरा नगर हवेली तथा दमण-दीव की ग्राम पंचायतों, नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं में कार्यरत एमटीएस स्वच्छता कर्मियों एवं अन्य अस्थायी कर्मचारियों की स्थिति पर विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने सरकार से पूछा कि वर्तमान में कितने कर्मचारी नियमित, संविदा, आउटसोर्स एवं दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत हैं तथा इनमें से कितने कर्मचारी पांच वर्ष से अधिक समय से अस्थायी रूप से सेवाएँ दे रहे हैं। साथ ही यह भी जानना चाहा कि इतने लंबे समय तक नियमितीकरण न होने के कारण क्या हैं तथा सरकार इस संबंध में क्या कदम उठा रही है? सांसद उमेश पटेल ने कहा कि स्थानीय स्वराज संस्थाओं की रीढ़ उनके कर्मचारी होते हैं। वर्षों तक सेवा देने के बावजूद यदि कर्मचारी अस्थायी बने रहते हैं तो यह उनके साथ न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने योग्य एवं लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण की दिशा में ठोस नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद में इन दोनों विषयों को उठाने का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि स्थानीय लोकतंत्र को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा स्थानीय स्वराज संस्थाओं के कर्मचारियों को न्याय दिलाना है।

## दीव में प्रकाशित ड्राॅफ्ट मतदाता सूची पर दाखिल दावे एवं आपत्तियों को राजनीतिक दलों के साथ किया साझा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 जुलाई। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार दमण और दीव संसदीय क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का कार्य 04.06.2026 से 03.07.2026 तक किया गया। ड्राफ्ट मतदाता सूची 10 जुलाई 2026 को प्रकाशित की गई थी। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 10 जुलाई 2026 से 09 अगस्त 2026 तक है। इस संबंध में एईआरओ ने साप्ताहिक आधार पर (यानी 10 जुलाई 2026 से 16 जुलाई 2026 तक) फॉर्म 9, 10, 11, 11 ए और 11 बी में दावों और आपत्तियों की सूची तैयार की है और इसे 21 जुलाई 2026 को राजनीतिक दलों के साथ साझा किया गया है। यह सूची सीईओ की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, ताकि नागरिक सूची देख सकें और यदि कोई आपत्ति हो तो एईआरओ के पास दर्ज करा सकें।

## ओडेसा हमला : यूक्रेन युद्ध में 4 भारतीय नाविकों की मौत, सुरक्षा पर सवाल

### - वाणिज्यिक जहाज पर हमले में कुल 10 जानें गईं; भारत ने निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों सहित कुल 10 लोगों की मौत हो गई है। भारत ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए युद्धग्रस्त क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 19 जुलाई की शाम एम.वी. गोल्डन लियो नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों ने जान गंवाई, जबकि चालक दल के 17 सदस्यों में से एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाने को निंदनीय बताया। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने को अस्वीकार्य करार दिया। उधर, यूक्रेन ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया; विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी मिसाइलों ने एक असैन्य जहाज को निशाना बनाया, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मार्ग पर था। यह यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का पहला मामला है। भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दे रहा है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायल नागरिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

## राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आठ सप्ताह में सीबीआई जवाब दाखिल करे-हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने के आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर करीब दो घंटे तक सुनवाई की। हाई कोर्ट की वेबसाइट पर पीठ का आदेश उपलब्ध नहीं था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति आर. एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर यह सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है और इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। पीठ ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि उम्मीद की जाती है कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है तो शिकायत के आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जा सकती है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत उचित कदम उठा सकती है। लखनऊ पीठ ने सीबीआई और ईडी के अलावा केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) के निदेशक को भी निर्देश दिया था कि वह गांधी के खिलाफ याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने इससे पहले गत 12 मई को मामले की सुनवाई चैंबर में की थी।

## पेपर लीक पर अखिलेश का वार : राज खुलने के डर से नहीं दे रहे इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पेपर लीक के कथित मामलों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर हमलावार है। संसद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके राज़ खुल सकते हैं। पूर्व सीएम यादव ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, आंसू गैस और बिजली के झटकों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और अमृत काल है, जहां युवाओं के सिर फोड़े जा रहे हैं? उन्होंने सरकार को पेपर लीक रोकने की सीधी जिम्मेदारी याद दिलाकर कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लगना बेहद शर्मनाक है।

## टीएमसी का शहीद दिवस : कोलकाता में ममता की रैली, दिल्ली में बागी सांसदों का प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस मनाया। यह दिन 1993 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की याद में मनाया जाता है। शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक कोलकाता के बिड़ला तारामंडल में जमा हुए। एक समर्थक ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीएमसी फिर जीतेगी। मैं दीदी का समर्थन करता हूं। इस मौके पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने 1993 की घटना को याद किया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में वोटर पहचान पत्र की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 200 घायल हुए थे। सांसद रॉय ने बताया कि ममता बनर्जी तब से ही घटना की याद में शहीद दिवस मनाती आ रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कुछ आलोचकों ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी शहीदों के लिए दुख का दिखावा करती हैं, जबकि उन्होंने मनीष गुप्ता को मंत्री बनाया था, जो उस समय गृह विभाग के प्रधान सचिव थे और उन्हीं के आदेश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोली चली थी। आलोचकों ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी मनीष गुप्ता को मंत्री से भी ऊंचा दर्जा दिया गया। साथ ही, सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट को सालों तक दबाने और सार्वजनिक न करने का भी आरोप लगाया गया, जबकि इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता को पार्टी में शामिल कर मंत्री बनाया गया। इस बीच एनसीपीआई में शामिल हुए बागी टीएमसी सांसदों ने दिल्ली में राजघाट जाकर इस दिन को याद किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि वे 1993 की पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 निर्दोष युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कहा कि वे अब एनसीपीआई में हैं, इसलिए उन्होंने राजघाट पर शहीदों को याद करने का फैसला किया।

# किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बातचीत से निकलना चाहिए

### -सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हेमा मालिनी, व कंगना ने दी प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने अब सियासी गलियारों के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी हलचल मचा दी है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने निकले तो बीजेपी सांसद और बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने इस पूरे आंदोलन को लेकर कहा कि इस तरह के विरोध का कोई मतलब नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले कंगना रनौत भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों को निशाने पर ले चुकी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर पहुंचीं हेमा मालिनी ने मीडिया से कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बल्कि बातचीत से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या है तो उस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए। इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जहां तक देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था का सवाल है, हमारी मोदी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और बहुत काम किया है। इसे देखते हुए आप लोग जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं बनता. इसे बातचीत से हल करना चाहिए। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी मीडिया से बात करते हुए इस प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

कंगना ने कहा कि संसदीय सत्र का उद्देश्य ही हर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करना है। हंगामा करके सरकार पर दबाव बनाना और यह तय करने की कोशिश करना कि किसे पद पर रखा जाए और किसे हटाया जाए, पूरी तरह से गलत है। जहां एक तरफ बॉलीवुड के कई सेलेब्स को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, सीजेपी के आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिला है। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और अपना समर्थन जताया। उनके अलावा प्रकाश राज भी प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। सोशल मीडिया पर इमरान खान, नसीरुद्दीन शाह, जीनत अमान, अभय देओल, सोनी राजदान, सोनाक्षी सिन्हा, ओमी वैद्य, और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकार भी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी राय रख चुके हैं।

## मोदी सरकार किसानों और छात्रों के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की तरह लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि ठीक एक साल पहले तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पांच साल के कार्यकाल के तीन साल बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा और मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार-बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी तरह की असंवेदनशीलता और उदासीनता अब लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के मामले में भी पूरी तरह दिखाई दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ को राज्यसभा के सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई देने का शिष्टाचार भी नहीं दिखाया गया। पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था।

## सीजेआई की टिप्पणी न होती तो प्रदर्शन नहीं होता: राउत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा मई महीने में दी गई विवादित कॉकरोच टिप्पणी से प्रेरित होकर बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च निकाला। इस प्रदर्शन का श्रेय राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीजेआई सूर्यकांत को दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर सीजेआई का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि इस बड़े आंदोलन का श्रेय केवल एक व्यक्ति को जाता है, जिन्होंने देश की निष्क्रिय जनता में नई ऊर्जा भर दी। हालांकि, छात्रों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी वाला यह मार्च आगे चलकर उग्र हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं, जबकि 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

यह पूरा मामला मई के मध्य का है, जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ एक वकील से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कुछ युवा कॉकरोच और परजीवी की तरह होते हैं, जिन्हें जब रोजगार या किसी पेशे में जगह नहीं मिलती, तो वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई कार्यकर्ता बनकर व्यवस्था पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी पर हुए भारी विवाद के बाद सीजेआई ने 16 मई को सफाई जारी की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी मंशा देश के युवाओं को निशाना बनाने की बिल्कुल नहीं थी, बल्कि उन्होंने केवल फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत या अन्य पेशों में घुसपैठ करने वाले लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। उन्होंने भारतीय युवाओं को देश के विकास का मजबूत स्तंभ करार दिया था।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच

### शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहाँ पेपर लीक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के कारण माहौल गर्म है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब से किसानों का बड़ा हुजूम दिल्ली की ओर रवाना हो चुका है। किसान भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को दिल्ली में महापंचायत करने से रोक रही है और दमनकारी नीति अपना रही है।

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा और घग्गर नदी के पुलों पर पुलिस बल की भारी तैनाती कर दी गई है। देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले पंजाब के विभिन्न

हिस्सों से बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर निकले किसान दिल्ली स्थित किसान घाट पहुँचकर एक दिवसीय महापंचायत करना चाहते हैं। फतेहगढ़ साहिब से करीब एक हजार से अधिक किसानों का जत्था सरहिंद होते हुए शंभू बॉर्डर पहुँचा है। किसान नेताओं का कहना है कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति का जायजा लेने और परस्पर बातचीत करने के बाद ही आगे के ठोस कदम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दूसरी ओर, स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हरियाणा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी को कुरुक्षेत्र में दिल्ली कूच करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। किसानों का दावा है कि राज्य पुलिस बड़े पैमाने पर किसान कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। किसानों की मुख्य चिंता यह है कि अमेरिका के साथ होने जा रहे इस व्यापार समझौते से देश में कृषि और अन्य विदेशी सामान बेहद सस्ती कीमतों पर आयात होने लगेगा। इससे भारतीय किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिसका सीधा और प्रतिकूल असर देश के किसानों तथा खेतिहर मजदूरों पर पड़ेगा। किसानों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने और देश के आम किसानों तथा मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

## चुप्पी तोड़ें और छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

### परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, युवाओं के विरोध का किया समर्थन

नई दिल्ली( एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर मौन हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, कल जो हुआ, उसके लिए मोदी जी ने माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पूरा देश जानता है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को दीमक ने खोखला कर दिया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? उन्हें छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और यह सब बंद करवाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है तथा लगातार सामने आ रहे विवादों ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : चंपत भूमिका पर फैसला होगा जल्द, गवाह या सह-आरोपी बनने पर सस्पेंस

**अयोध्या (एजेंसी)।** श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय की भूमिका अब जांच के निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय के बयान और गवाही को इस पूरे मामले में अभियोजन पक्ष के लिए बेहद मजबूत साक्ष्य माना जा रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही यह तय हो जाएगा कि चंपत राय मुकदमे में मुख्य गवाह बनेंगे या फिर सह-आरोपी। हालांकि, अब तक की जांच में उनका पूरा सहयोग रहा है और उनके बयानों के आधार पर ही आरोपियों से पूछताछ की गई है, जिससे उनके मुख्य साक्षी बनने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है।

एसआईटी और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दानपात्रों के चढ़ावे की गणना के दौरान बाथरूम में कुछ रुपये मिलने के बाद इस चोरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुए चंपत राय ने संदिग्धों की तलाश की और 5 जून को पुलिस के साथ निकलकर करीब 80 लाख रुपये बरामद करवाए थे। इसके बाद ही एसआईटी का गठन हुआ और ट्रस्टी कृष्णमोहन की शिकायत पर 8 नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यद्यपि शुरुआती स्तर पर मामले को दबाने के प्रयास और चंपत राय द्वारा दी गई सफाई के कारण उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने ही राज्य सरकार से एसआईटी जांच की सिफारिश की थी।

कानूनी दृष्टिकोण से चंपत राय की गवाही इस पूरे मुकदमे की नींव बनेगी। उन्होंने पूछताछ के दौरान एसआईटी और पुलिस को हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है और सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि यदि वह अदालत में आधिकारिक तौर पर गवाही देते हैं, तो आरोपियों पर दोष सिद्ध करना आसान हो जाएगा और मुकदमा बेहद मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर, यदि वह कानूनी तौर पर गवाही देने से पीछे हटते हैं, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी उनकी गवाही के आधार पर ही चार्जशीट को अंतिम रूप देने में जुटी है।

## त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत पर सियासत तेज, विपक्ष ने मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग

**अगरतला (एजेंसी)।** त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग ढंकर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी माकपा (सीपीआई-एम) ने मामले की मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है।

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अनुराग ढंकर जैसे मजबूत और अनुभवी अधिकारी के आत्महत्या करने की बात सहज स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों से भाजपा सरकार के दौरान आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी अनुराग ढंकर का शव मंगलवार को पुलिस

मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के वॉशरूम में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और गृह सचिव पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्हें तत्काल एजीएमसी एवं जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डीजीपी अनुराग ढंकर का निधन अत्यंत दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विपक्ष ने पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

# अब बिहार के भागलपुर में निकले पिता-पुत्री कोरोना संक्रमित

### -दोनों मरीज जेएलएनएमसीएच में भर्ती, संपर्क में आए लोगों की जांच के निर्देश

### -आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बढ़ी सतर्कता

**पटना (एजेंसी)।** आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के बाद अब बिहार में भी कोविड-19 ने दस्तक दी है। भागलपुर जिले में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग और उनकी 35 वर्षीय बेटी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे ने सोमवार को बताया कि बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई से खराब थी। प्रारंभिक उपचार एक निजी क्लिनिक में कराया गया, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी आरटी-पीसीआर जांच कराई गई, जिसमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की। जांच के दौरान उनकी 35 वर्षीय बेटी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती कर गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पताल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जानकारी में दूसरे संक्रमित को मरीज की पत्नी बताया गया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह उनकी बेटी हैं।

भागलपुर जिला प्रशासन ने भी आधिकारिक बयान जारी कर दोनों मामलों की पुष्टि की है। प्रशासन ने जिले में कोरोना संबंधी सभी आवश्यक प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक को संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराने तथा आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जेएलएनएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार और आवश्यक सावधानियां संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा स्वच्छता और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करें।

## दीव में फूड सेफ्टी विभाग की बडी कार्रवाई: अनियमितता मिलने पर राधे कृष्णा स्वीट एंड नमकीन दुकान को किया सील

■ ग्राहक की शिकायत के बाद हुई अचानक जांच में पाई गई लापरवाही:कई मिठाइयों में फफूंद मिलने पर तत्काल बिक्री बंद, स्वास्थ्य से खिलवाड पर सख्त कार्रवाई

दीव। दीव में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक बडी कार्रवाई करते हुए राधे कृष्णा स्वीट एंड नमकीन दुकान को सील कर दिया है। विभाग की यह कार्रवाई एक ग्राहक की शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें खरीदी गई मिठाई में खटास और फफूंद पाए जाने की बात सामने आई थी।

मिली जानकारी के अनुसार, एक पारिवारिक समारोह के लिए उक्त दुकान से मिठाइयों की खरीदारी की गई थी। समारोह के दौरान जब मिठाई परोसी गई तो उसमें खटास महसूस हुई और उस पर फफूंद भी दिखाई दी। इस बावत ग्राहक ने शिकायत दुकान संचालक से की, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मामले की सूचना एक पुलिसकर्मी के माध्यम से फूड सेफ्टी विभाग तक पहुंचाई गई। शिकायत मिलते ही फूड सेफ्टी ऑफिसर टीकेश हसमुखलाल बामणिया और नियुक्त अधिकारी डॉ. अशोक कुंचाता ने दुकान पर अचानक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकान में रखी अन्य मिठाइयों में भी फफूंद लगी हुई पाई गई। खाद्य सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन सामने आने पर अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से दुकान को सील कर बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

बताया जाता है कि पूर्व में भी दुकान के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद यदि बार-बार चेतावनी मिलने के बाद भी खराब और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मिठाइयों की बिक्री जारी रहती है, तो यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। फूड सेफ्टी विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य खाद्य कारोबारियों में भी सतर्कता देखी जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस दुकान के खिलाफ पहले भी कई बार शिकायतें सामने आ चुकी हैं। वहीं नागरिकों ने मांग की है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे निरीक्षण नियमित रूप से किए जाएं, ताकि लोगों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

## नशे में धुत चालक ने बंद सडक पर दौडाई कार, सीमेंट बैरियर से टकराई: टला बडा हादसा

■ नागवा में निर्माणाधीन मार्ग पर हुआ हादसा ■ कई युवक घायल, पुलिस ने शुरू की जांच

दीव। दीव के नागवा क्षेत्र में निर्माणाधीन सडक पर एक तेज रफ्तार कार के दुर्घटनाग्रस्त होने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सडक निर्माण कार्य के चलते यह मार्ग फिलहाल वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किया गया था। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश के एक युवक द्वारा कथित रूप से नशे की हालत में कार लेकर बंद सडक पर जाने और दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सडक को बंद करने के लिए लगाए गए सीमेंट के चौकोर बैरियर से कार तेज गति से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय कार में सवार युवकों को मामूली और सामान्य चोटें आईं, जबकि वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को दीव के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी सरकारी अस्पताल पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस पूरे मामले की पडताल कर रही है तथा कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

## पीएम आवास प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी बलपूर्वक गिरफ्तार

### घायल राहुल के नाक से निकला खून; कांग्रेस ने पुलिस पर लगाया धक्का-मुक्की का आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास की ओर कांग्रेस के विरोध मार्च के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी घायल हो गए। बाद में पुलिस राहुल-प्रियंका-अखिलेश सहित तमाम प्रदर्शनकारियों को उठाकर ले गयी। कांग्रेस द्वारा जारी तस्वीरों और वीडियो में राहुल गांधी की नाक से खून निकलता दिखाई दिया। पार्टी का आरोप है कि प्रदर्शन रोकने के दौरान दिल्ली पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की धक्का-मुक्की में उन्हें चोट लगी।

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य विपक्षी नेता छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे। इसी दौरान बैरिकेडिंग पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया और जबरन हटाने की कोशिश की गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इसी अफरा-तफरी में राहुल गांधी को चोट आई और बाद में उन्हें हिरासत में भी लिया गया। राहुल गांधी के घायल होने की तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की। पार्टी ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध को बलपूर्वक दबाने की कोशिश की गई। वहीं, सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार बातचीत के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष ने टकराव का रास्ता चुना। समाचार लिखे जाने तक दिल्ली पुलिस की ओर से राहुल गांधी की चोट के कारणों पर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

इससे पूर्व दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के निकट बडा प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता विरोध मार्च में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों के साथ पुलिस ने बर्बरता की और सरकार उनकी आवाज़ दबाने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुडे मुद्दों पर आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय बल प्रयोग कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस पूरे घटनाक्रम पर जवाब देने की मांग की। इससे पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने अस्पताल जाकर घायल प्रदर्शनकारियों से भी मुलाकात की थी। वहीं, प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को आगे बढ़ने से रोका। कुछ समय तक धरने और नारेबाजी के बाद पुलिस ने राहुल गांधी समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया। इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया। उधर, केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दे को भडका रहा है। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए और कुछ प्रदर्शनकारियों का व्यवहार उग्र था।

## राहुल गांधी अपनी बात से पलट गए,धरने को लेकर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का पलटवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस के धरने को लेकर केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव और तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री एवं प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे अपनी ही बात से पीछे हट गए और बातचीत के बजाय टकराव का रास्ता अपनाया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले कहा था कि यदि संसद में छात्रों के मुद्दे और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा कराने का आश्वासन दिया जाए तो धरना समाप्त किया जा सकता है। मंत्री के मुताबिक सरकार इस पर सहमत हो गई, लेकिन इसके बाद राहुल गांधी ने नई शर्त रख दी कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का भरोसा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि इस तरह लगातार मांग बदलना किसी वरिष्ठ नेता को शोभा नहीं देता। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि सरकार बातचीत के जरिए समाधान निकालना चाहती थी, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व का उद्देश्य समाधान नहीं बल्कि राजनीतिक टकराव पैदा करना था। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद का रास्ता खुला रखा, फिर भी कांग्रेस ने धरना जारी रखने का फैसला किया। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि उसका आंदोलन छात्रों के हित और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए है।

पार्टी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, छात्रों से जुडे मामलों में जवाबदेही तय करने और अन्य मांगों को लेकर अपना विरोध जारी रखे हुए है। इसी मुद्दे पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके दौरान कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

## अवैध पटाखों का बड़ा भंडाफोड़: 39.57 करोड़ रुपये के पटाखे जब्त, रामोल ब्लास्ट के बाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

### रामोल विस्फोट में 10 मौतों के बाद सख्ती, चांगोदर के दो गोदामों से करीब 66 हजार कार्टन पटाखे बरामद

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के रामोल इलाके में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 10 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने पूरे शहर में अवैध पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इसी कार्रवाई के तहत अहमदाबाद जिले के चांगोदर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से संग्रहीत पटाखों का विशाल जखीरा बरामद किया है।

चांगोदर पुलिस को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर मोडासर-अमाथापुरा रोड स्थित अंबिका ट्रेड लिंक के दो गोदामों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान गोदामों के अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर बने शेड में भी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण किया गया था। पुलिस ने कुल 65,954 कार्टन पटाखे जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 39.57 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक सामग्री के भंडारण के बावजूद गोदामों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मौजूद नहीं थी। पुलिस के अनुसार, गोदाम में वॉटर स्प्रिंकलर सिस्टम जैसी अनिवार्य व्यवस्था नहीं थी और अन्य फायर सेफ्टी इंतजाम भी बेहद अपर्याप्त पाए गए। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने अमित कुमार मोदी और किशन पटेल के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि गोदाम के लिए जारी लाइसेंस, स्वीकृत भंडारण क्षमता और विस्फोटक सामग्री के भंडारण से जुड़े सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। चांगोदर पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि करोड़ों रुपये के इन पटाखों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था, इनकी आपूर्ति कहां की जानी थी और यह अवैध कारोबार कब से संचालित हो रहा था। अधिकारियों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े कई और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

## हर घर तिरंगा अभियान के तहत माय भारत ने लॉन्च की नेशनल फ्लैग ऑफ इंडिया क्विज़ 2026

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस 2026 से पहले हर घर तिरंगा अभियान के तहत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के MY भारत प्लेटफॉर्म ने नेशनल फ्लैग ऑफ इंडिया क्विज़ 2026 शुरू की है। इसका उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में तिरंगे के इतिहास, महत्व, संविधान में उसके स्थान और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। क्विज़ 15 अगस्त तक MY भारत पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।

सरकार के अनुसार, यह क्विज़ MY भारत पोर्टल पर पंजीकृत सभी उपयोगकर्ताओं के लिए खुली है। इसमें 20 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिन्हें 10 मिनट में पूरा करना होगा। प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक मिलेगा और नकारात्मक अंकन नहीं होगा। क्विज़ पोर्टल पर उपलब्ध सभी भाषाओं में दी जा रही है। प्रश्नों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास, इसके निर्माण में योगदान देने वाले प्रमुख व्यक्तित्व, फ्लैग कोड ऑफ इंडिया, 2002, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 तथा राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य शामिल होंगे। सफल प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिया जाएगा। वहीं, 21 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र प्रतिभागियों में से शीर्ष अंक प्राप्त करने वालों का चयन कंप्यूटर आधारित रैंडम प्रक्रिया से किया जाएगा और उन्हें भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों या अन्य विशेष स्थानों की यात्रा का अवसर मिल सकता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने देशभर के युवाओं से बड़ी संख्या में इस क्विज़ में भाग लेने की अपील की है। मंत्रालय का कहना है कि यह पहल डिजिटल माध्यम से युवाओं में देशभक्ति, संवैधानिक मूल्यों और सक्रिय नागरिकता की भावना को मजबूत करने का प्रयास है तथा हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का हिस्सा है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
फुदम, दीव में केन्द्रीय विद्यालय का नवीनीकरण एवं मरम्मत।
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 38/2026-2027 (2026_DIUDT_4897_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 28/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 28/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 28/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/338 DATE:- 21/07/2026

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वरकुंड, नानी दमन - 396210
https://ddd.gov.in/
www.govtenggcollegedaman.org.in/
सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, दमन में अंग्रेज़ी के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के 01 पद पर छह महीने के लिए "शॉर्ट-टर्म कॉन्ट्रैक्ट" (अल्पकालिक अनुबंध) के आधार पर भर्ती की जानी है, जिसका विवरण इस प्रकार है: -
अंग्रेज़ी के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के 01 पद के लिए भर्ती
संख्या.1.0-EST-GEC/Volume-III/2026-27/413
दिनांक: 21/07/2026
शुरू होने की तारीख: 22/07/2026
अंतिम तिथि: 21/08/2026
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/340 DATE:- 21/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
केवड़ी-दीव स्थित 8 MLD जल उपचार संयंत्र के लिए वार्षिक संचालन अनुबंध (2nd Call)
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 38/2026-2027 (2026_DIUDT_4898_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 28/07/2026
ऑनलाइन करने की तिथि : 28/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 28/07/2026
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/339 DATE:- 21/07/2026

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
Daman Municipal Council
NOTICE INVITING OBJECTION/SUGGESTION
Draft Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu Solid Waste (Handling and Management) Bye-Laws, 2026
Link: https://drive.google.com/file/d/1JF_ykdDurMqFUpp8oEAiptuFnHNi15_w/view?usp=sharing
For Details Please Scan
Email Id:- codmc.daman@gmail.com
Phone No. 0260-2230879
Mo. No.: +91 7016598012
Chief Officer, Daman Municipal Council, Daman
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/344 DATE:- 21/07/2026

# संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

**तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।**

तिरंगे की शान, भारत की पहचान... विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र

कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम् लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्यूनियन जैकह्न का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

## संपादकीय

### फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूर्नामेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूर्नामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूर्नामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूर्नामेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

# भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

नीरज कुमार दुबे

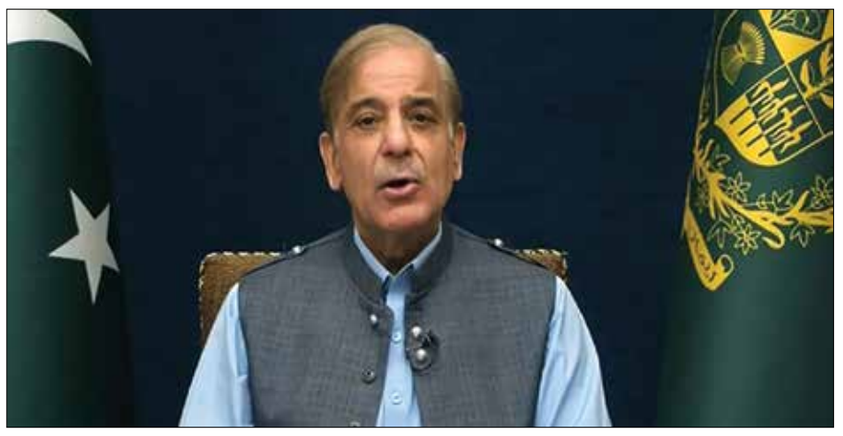

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है।

हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी।

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है।

इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आर्तकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निमार्ताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।

भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

# क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

**-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न..., अस्पताल कैंपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय**

**-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल**

रंजन चौधरी

आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है।

ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोचुर्री पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निसंदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं?

हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगवां- चुरचू के पत्थर एक माइंस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वार्ड से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुँह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते?

अब समय सिर्फ शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं, सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा ।

प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों की पहचान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा।

हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर इग्नोर करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मौत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आईना होते है। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

चिंतन-मनन

## दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

**याउंडे, एजेंसी।** कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

### बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

**बाकू, एजेंसी।** अजरबैजान की राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

### भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

**बीजिंग, एजेंसी।** चाइना डेवलपमेंट बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरिअर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

### बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

**औगाडौगू, एजेंसी।** बुर्किना फासो के राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाके के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

# अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

**पूरा परिवार खुशियों से सराबोर :** उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

**जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग :** जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए।'

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

## इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

# बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

# गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

**जॉर्जटाउन, एजेंसी।** दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

**कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री :** गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

# पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

**लीमा, एजेंसी।** दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

**पुरानी इमारतों को भारी नुकसान :** यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

**खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग :** स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

**प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' :** पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

# ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

**न्यू जर्सी, एजेंसी।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

**फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल :** मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

**यह अमेरिका की बड़ी जीत है :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

# यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

**कीव, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

**कई शहरों में तबाही :** राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

**यूक्रेन ने किया पलटवार :** रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

असली आज़ादी



# इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

**-बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां**

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

# सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

**हैदराबाद (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

# कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

**लंदन (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

# श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

## हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

## बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

# मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

# स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड। फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

# युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

**-सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें**

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

## न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसादेक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

# अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता। कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 卐याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके।卐 एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

# बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

# क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

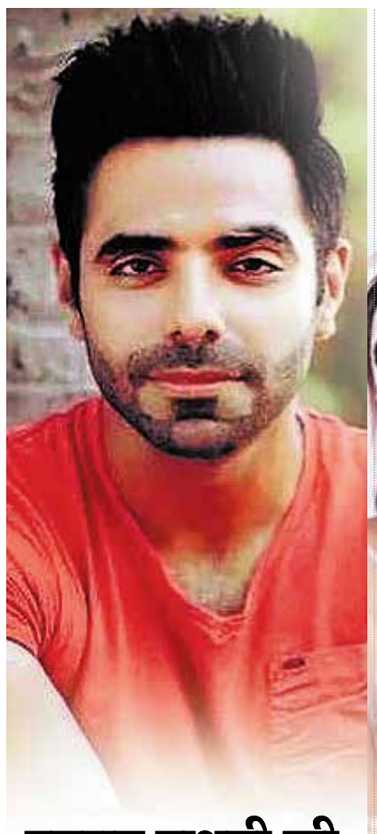

# इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

### अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और विलप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

### एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

# नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

### नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

### नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

# 32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर



अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

### शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

# यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

### बेटे की काबिलियत पर भरोसा है

गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

# सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

# मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

### दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

### निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

### फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

## दमण स्वास्थ्य विभाग ने श्रीनाथजी स्कूल में एचपीवी वैक्सीनेशन पर की जागरूकता बैठक

■ दमण डिप्टी कलेक्टर आरती अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में श्रीनाथजी स्कूल, होली ट्रिनिटी हाईस्कूल, दिव्य ज्योति स्कूल एवं अन्य बिन अनुदानित स्कूलों के अभिभावकों ने लिया हिस्सा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 जुलाई। दमण स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज श्रीनाथजी स्कूल में दमण की डिप्टी कलेक्टर आरती अग्रवाल की अध्यक्षता में एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए अभिभावकों को जागरूक करने के लिए जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में श्रीनाथजी स्कूल, होली ट्रिनिटी हाईस्कूल, दिव्य ज्योति स्कूल एवं अन्य बिन अनुदानित स्कूलों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित अधिकारियों ने अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और इसके लाभों के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता फैलाने की भी बात कही गई।

## नेशनल रोबोटिक्स इंडिया कम्पीटिशन में पीएम श्री रिंगणवाडा स्कूल का शानदार प्रदर्शन

■ 19 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, विद्यालय की एक टीम ने नेशनल लेवल पर फोल्क रेस कंप्टीशन टॉप-10 में बनाई जगह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 जुलाई। पीएम श्री चंद्रशेखर आजाद अपर प्राइमरी स्कूल रिंगणवाडा के विद्यार्थियों ने नेशनल रोबोटिक्स इंडिया कम्पीटिशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 19 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ भाग लिया तथा रोबोटिक्स, विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच, तकनीकी कौशल, समस्या समाधान क्षमता और नवाचार की भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय की एक टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नेशनल लेवल पर फोल्क रेस कंप्टीशन में टॉप-10 में स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और मार्गदर्शन का परिणाम है। इसके साथ ही विद्यालय के छात्र को साउथ कोरिया जाकर इंटरनेशनल रोबोटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने की भी संभावनाएं प्रबल हो गई है। इसी विद्यालय के छात्र ने 2024-2025 में एस्टोनिया (यूरोप) स्थित अंतर्राष्ट्रीय रोबोटिक्स स्पर्धा में हिस्सा लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया था। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विरेन्द्र पटेल ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, मार्गदर्शक शिक्षकों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की भागीदारी से उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना विकसित होती है। साथ ही पीएम श्री विद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी के कौशल से सशक्त बनाना और उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के अवसर प्रदान करना है। रोबोटिक्स जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को सीखने के साथ-साथ वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए नई तकनीकों का उपयोग करने हेतु प्रेरित करती हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विरेन्द्रभाई पटेल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

## इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक नरोली शाखा ने विशेष बीमा जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 जुलाई। नरोली ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को बीमा योजनाओं की जानकारी देने और अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षा कवच से जोड़ने के उद्देश्य से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक नरोली शाखा द्वारा 21 जुलाई 2026 को विशेष बीमा जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित किया गया। शिविर में दो दुर्घटना बीमा योजनाओं की जानकारी और ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। पहली योजना के तहत 2,542 रूपये के वार्षिक प्रीमियम पर 50 लाख रूपये तक का दुर्घटना बीमा तथा 3.5 लाख रूपये तक दुर्घटना उपचार सहायता मिलेगी। वहीं दूसरी योजना में 755 रूपये के वार्षिक प्रीमियम पर 15 लाख रूपये तक का दुर्घटना बीमा और 1 लाख रूपये तक उपचार सहायता का लाभ दिया जाएगा। पोस्ट बैंक विभिन्न दुर्घटना बीमा उत्पादों का वितरण करता है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक शिविर में आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड और मोबाइल नंबर के साथ लाभार्थियों ने शिविर का लाभ लिया। जिनका नया इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाता खोला गया, उनके लिए 200 रूपये का खाता खोलने का शुल्क निर्धारित किया गया था। नरोली के उपसरपंच योगेशसिंह फतेसिंह सोलंकी ने सभी ग्रामवासियों से इस शिविर का लाभ उठाकर अपने और अपने परिवार के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की अपील की।

## डिजिटल क्रिएटर्स के लिए सुनहरा अवसर: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने लॉन्च की Gems of India पहल

■ विजेताओं को मिलेंगे 5 लाख रूपये तक के पुरस्कार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 21 जुलाई। देशभर के उभरते डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने और भारत के जिलों की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन विरासत को डिजिटल माध्यम से दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने Gems of India नामक राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत देश के प्रत्येक जिले के प्रतिभाशाली डिजिटल क्रिएटर्स को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का पायलट लॉन्च 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। प्रथम चरण में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली और दमण-दीव, गोवा तथा लद्दाख को शामिल किया गया है। प्रतिभागी 1 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच MyWAVES (WAVES OTT प्लेटफॉर्म) के माध्यम से अपना पंजीकरण कर डिजिटल कंटेंट अपलोड कर सकेंगे। कार्यक्रम पूरी तरह ऑनलाइन होगा, जिससे देशभर के युवा और डिजिटल क्रिएटर्स आसानी से भाग ले सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य भारत के जिलों की विशिष्ट पहचान को डिजिटल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से प्रस्तुत करना है। प्रतिभागी विभिन्न विषयों पर वीडियो एवं अन्य डिजिटल सामग्री प्रस्तुत कर सकेंगे। जिसमें संस्कृति एवं विरासत, पर्यटन स्थल, लोक परंपराएं एवं लोक कला, हस्तशिल्प एवं हथकरघा, स्थानीय व्यंजन, त्योहार एवं सामुदायिक उत्सव, लोक कथाएं, प्राकृतिक एवं इको-टूरिज्म, ऐतिहासिक स्थल एवं स्मारक, प्रेरणादायक स्थानीय व्यक्तित्व, नवाचार एवं श्रेष्ठ कार्य, जिले की अन्य विशेषताएं शामिल हैं।

**इन प्रारूपों में भेज सकते हैं प्रविष्टियां:** प्रतिभागी शॉर्ट वीडियो, रील्स, डॉक्यूमेंट्री, पॉडकास्ट, व्लॉग तथा अन्य रचनात्मक डिजिटल वीडियो प्रारूपों में अपनी प्रविष्टियां भेज सकेंगे।

**विजेताओं को मिलेगा आकर्षक पुरस्कार:** कार्यक्रम के तहत जिला, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला स्तरः प्रति पुरस्कार 50,000 रूपये, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तरः 2 लाख रूपये एवं राष्ट्रीय स्तर पर 5 लाख रूपये तक पुरस्कार दिये जाएंगे। देशभर में लगभग 15,000 पुरस्कार प्रदान किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्रालय के अनुसार इस अभियान में लगभग 50 लाख नागरिकों और उभरते डिजिटल क्रिएटर्स के शामिल होने की संभावना है। प्रत्येक जिले से जनसंख्या के आधार पर 500 से 15,000 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त होने का अनुमान है।

**जिला प्रशासन और राज्य सरकारों की अहम भूमिका:** कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए राज्य सरकारों से नोडल अधिकारी नियुक्त करने, जिला जूरी समिति गठित करने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। वहीं जिला प्रशासन स्थानीय स्तर पर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करेगा और प्रविष्टियों के मूल्यांकन की व्यवस्था करेगा। यह पहल भारत के हर जिले की अनूठी पहचान, संस्कृति और पर्यटन को डिजिटल माध्यम से वैश्विक मंच पर पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। साथ ही यह देश के उभरते डिजिटल क्रिएटर्स को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का सशक्त अवसर भी प्रदान करेगी।

## वलसाड एलसीबी ने विश्वासघात के दो मामलों में फरार चल रहे आरोपी को वापी से धरदबोचा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 21 जुलाई। वापी टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज विश्वासघात के दो मामलें में फरार चल रहे आरोपी को वलसाड एलसीबी ने वापी धरदबोचा है। सूरत विभाग के पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीर सिंह तथा वलसाड जिला एसपी युवराजसिंह जाडेजा द्वारा वलसाड जिले के विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश के बाद वलसाड एलसीबी पीआई ए.यू. रोज के मार्गदर्शन में एलसीबी की टीम काम में जुटी थी। इसी दौरान एलसीबी वलसाड के पीएसआई जे.बी. धनेशा एवं पुलिस कर्मी जांच में जुटे थे। तभी पेरोल फर्लो स्क्वॉड के एएसआई अल्लारखु अमीर को वापी टाउन पुलिस थाने में दर्ज दो मामले के फरार आरोपी के वापी में होने की सूचना मिली। जिसके बाद एलसीबी की टीम ने फरार आरोपी हार्दिक शंकर धोडिया पटेल (38 वर्ष) हाल निवासी फ्लैट नं. 203, साकेत बिल्डिंग, डोकमरडी, सिलवासा और मूल निवासी मोटी तंबाडी, आहिर फलिया, तालुका वापी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ वापी टाउन पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं में 2 अलग-अलग मामले दर्ज हैं। वलसाड एलसीबी पीआई ए. यू. रोज के मार्गदर्शन में एलसीबी वलसाड के पीएसआई जे. बी. धनेशा, एएसआई अजय अमला, पेरोल फर्लो स्क्वॉड के एएसआई अल्लारखु अमीर, एएसआई नरेन्द्रसिंह सामंतसिंह एवं पुलिस कांस्टेबल पंकजभाई की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)